

Slide 2



| Chapter 10–12 Outline |
|---|
| The Setting (10:1-3) |
| Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9) |
| Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1) |
| The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13) |
| DANIEL |

| | |
|------|--|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

Chapter 10–12 Outline

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)



Slide 5

| CHAPTER AND VERSE IN DANIEL | CHRONOLOGICAL DATE | BIBLICAL DATE |
|--------------------------------|-----------------------------------|---|
| 1:1 | 605 | 3 rd year of Jehoiakim |
| 2:1 | 603 | 2 nd year of Nebuchadnezzar |
| 5 | Sat. night 10/12/539 (Hoehner) | |
| 7:1 | 553 | 1st year of Belshazzar |
| 8:1 | 551 | 3 rd year of Belshazzar |
| 9:1 | 538 | 1st year of Darius |
| <u>10:1</u> | <u>536</u> | 3 rd year of Cyrus |

Slide 6

Chapter 10–12 Outline

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)



| | | | | |
|--|------|------|------|------|
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |

| Slide 7 | Chapter 10–12 Outline | | |
|---------|---|---|--|
| | I. The Setting (10:1-3) | | |
| | II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9) | | |
| | | · | |
| | III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1) | | |
| | IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13) | - | |
| | | | |
| | mi Tourier | | |
| | DANIEL | | |
| | | | |
| | | - | |
| | | | |
| | | - | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| Slide 8 | Charter 10, 13 Outline | 1 | |
| Silaco | Chapter 10–12 Outline | · | |
| | I. The Setting (10:1-3) | | |
| | II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9) | - | |
| | III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1) | | |
| | IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13) | | |
| | | | |
| | un sous or_n | | |
| | DANIEL | | |
| | | | |
| | | • | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | - | |
| | | | |
| Slide 9 | IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger | | |
| | (11:2–12:13) | | |
| | A. Persia (11:2) | | |
| | B. Greece (11:3-4) DANIEL | · | |
| | C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20) | | |
| | D. Antiochus IV (11:21-35) | - | |
| | E. Antichrist (11:36-45) | | |
| | F. Tribulation & Millennium (12:1-13) | | |
| | | | |
| | | _ | |
| | | • | |
| | | | |
| | | - | |
| | | | |
| | | | |

Slide 10 IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13) A. Persia (11:2) B. Greece (11:3-4) C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20) D. Antiochus IV (11:21-35) E. Antichrist (11:36-45) F. Tribulation & Millennium (12:1-13) Slide 11 PERSIA 11:2 A. Cambyses 530-523 BC B. Pseudo-Smerdis 522 BC C. Darius I Hystaspes 521-486 BC D. Xerxes 485-465 BC Aka. "Ahasuerus" in Esther Slide 12 IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13) A. Persia (11:2) B. <u>Greece (11:3-4)</u> C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20) D. Antiochus (11:21-35) E. Antichrist (11:36-45) F. Tribulation & Millennium (12:1-13)

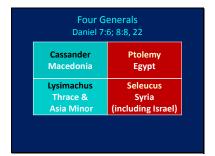
GREECE 11:3-4 A. Alexander the Great 1. Died at age 33 in 323 BC 2. No heirs 3. Kingdom divided among his 4 generals B. Daniel 7:6, 8:5-8

Slide 14

| Cassander | Ptolemy |
|------------|--------------------|
| Macedonia | Egypt |
| | 7 |
| Lysimachus | Seleucus |
| Thrace & | Syria |
| Asia Minor | (including Israel) |



| | | |
|------|------|------|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |



Slide 17

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger
(11:2–12:13)

A. Persia (11:2)

B. Greece (11:3-4)

C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)

D. Antiochus (11:21-35)

E. Antichrist (11:36-45)

F. Tribulation & Millennium (12:1-13)

Slide 18

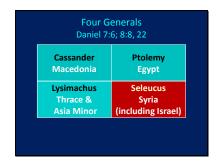
PTOLEMIES AND SELEUCIDS 11:5-20

- A. History of warfare between the 2 dynasties
- B. Ptolemies of Egypt vs. Seleucids of Syria
- C. King of the South vs. King of the North
- D. From 323 BC 175 BC
- E. The beautiful land = Israel
- F. Cassander and Lysimachus not in view
- G. Key transition in 198 B.C.
- H. Selective and non-comprehensive history
- I. What is at stake?

| | | | |
|------|------|------|--|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

| KINGS OF THE SOUTH (EGYPT) | KINGS OF THE NORTH (SYRIA) | | | |
|--|----------------------------------|--|--|--|
| Ptolemy I (Soter) 323–285 | Seleucus I (Nicator) 312–281 | | | |
| Ptolemy II (Philadelphus) 285–247 | Antiochus I (Soter) 281–261 | | | |
| Ptolemy III (Euregetus) 247–221 | Antiochus Theos 261–246 | | | |
| Ptolemy IV (Philopater) 221–220 | Seleucus Callinicus 246–226 | | | |
| Ptolemy V (Epiphanes) 203–182 | Seleucus III 226–223 | | | |
| | Antiochus III (Great) 223–187 | | | |
| | Seleucus IV (Philopater) 186–175 | | | |
| | Antiochus IV (Epiphanes) 175–164 | | | |
| Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel: The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Prophecy of Things to Come (Clifton, TX: Scofield Ministries, 2007), 233. | | | | |
| | | | | |

Slide 20



| Inte | ertestamental Chronology (Dates BC) |
|------|-------------------------------------|
| | SELEUCIDS |
| | Seleucus I 312-281 |
| | Antiochus I 281-261 |
| | Antiochus II 261-246 |
| | Seleucus II 246-226 |
| | Seleucus III 226-223 |
| | Antiochus III 223-187 |
| | Seleucus IV Philapator 187-175 |
| | Antiochus IV Epiphanes 175-163 |

| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |



Slide 23

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger
(11:2–12:13)

A. Persia (11:2)
B. Greece (11:3-4)
C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
D. Antiochus IV (11:21-35)
E. Antichrist (11:36-45)
F. Tribulation & Millennium (12:1-13)

Slide 24

Daniel 11:21-35 Overview

- A. Antiochus IV Epiphanes moves into center stage
- B. He reigned for 10 years 175 164 B.C.
- C. Daniel predictions 536 B.C. (Dan. 10:1)
- D. Antiochus IV = "little horn" (Dan. 8:9-14, 23-25)
- $\hbox{\bf E. Goal of Hellenization \& persecution of the Jews}\\$
- F. Antiochus IV known for his hatred of the Jews
- G. Antiochus IV will desecrate the Jewish Temple
- H. Fulfilment recorded in 1 2 Maccabees
- I. Antiochus IV = Antichrist's prefigurement (Dan. 9:27; 11:36-45)

| _ | | | | |
|---|------|------|------|------|
| _ | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| _ | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| _ | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| _ | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| _ | | | | |
| _ | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| _ | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| _ | | | | |
| _ | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| - | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| _ | | | | |

The Career of Antiochus IV Epiphanes Daniel 11:21-35

- I. His rise to power (21)
- II. His initial and general military successes (22-24)
- III. His 1st military activities concerning Egypt & Israel (25-28)
- IV. His desecration of the Jewish Temple (29-31)
- V. The reaction of Israel to the Temple's desecration (32-25)

DANIEL

Slide 26

The Career of Antiochus IV Epiphanes Daniel 11:21-35

- I. His rise to power (21)
- II. His initial and general military successes (22-24)
- III. His 1st military activities concerning Egypt & Israel (25-28)
- IV. His desecration of the Jewish Temple (29-31)
- V. The reaction of Israel to the Temple's desecration (32-25)

DANIEL

| KINGS OF THE SOUTH (EGYPT) | KINGS OF THE NORTH (SYRIA) |
|---|----------------------------------|
| Ptolemy I (Soter) 323–285 | Seleucus I (Nicator) 312–281 |
| Ptolemy II (Philadelphus) 285–247 | Antiochus I (Soter) 281–261 |
| Ptolemy III (Euregetus) 247–221 | Antiochus Theos 261–246 |
| Ptolemy IV (Philopater) 221–220 | Seleucus Callinicus 246–226 |
| Ptolemy V (Epiphanes) 203–182 | Seleucus III 226–223 |
| | Antiochus III (Great) 223–187 |
| | Seleucus IV (Philopater) 186–175 |
| | Antiochus IV (Epiphanes) 175–164 |
| Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel's Prophecy of Things to Come (CI | |

| | | | |
|------|---|------|-------|
| | | | |
| | | | _ |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | - | | _ |
| | - | | |
| | | | |
| | - | | |
| | | | _ |
| | | | |

Daniel 11:21

- 1. Death of Seleucus IV Philopater
- 2. Heir apparent Demetrius (son of Seleucus IV) sent to Rome
- 3. Antiochus IV Epiphanies rises to Syria's throne
- 4. Not a "god-like" person but rather a "despicable person"
- 5. "Intrigue" and a lack of "honor" brought Antiochus IV to the throne

laul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel: The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Prophecy

Slide 29

The Career of Antiochus IV Epiphanes

- I. His rise to power (21)
- II. His initial and general military successes (22-24)
- III. His 1st military activities concerning Egypt & Israel (25-28)
- IV. His desecration of the Jewish Temple (29-31)
- V. The reaction of Israel to the Temple's desecration (32-25)

DANIEL

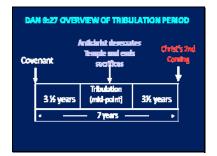
Slide 30

Daniel 11:22

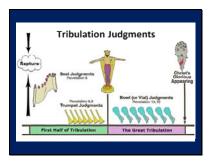
- Initial military activities of Antiochus IV with his forces "overflowing" his opponents
- 2. Syrians already enjoyed control of the land of Israel
- 3. High Priest Onanias III ("Prince of the Covenant") disliked by Antiochus IV
- 4. Antiochus IV favored Jason (Onanias III's brother)
- 5. Antiochus IV pressures Israel to replace ("shatter") Jason with Onanias III

Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel: The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Prophet of Things to Come (Cliffon, TX: Scofield Winistries, 2007), 236-46.

| | |
|------|--|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |



Slide 32



| KINGS OF THE SOUTH (EGYPT) | KINGS OF THE NORTH (SYRIA) |
|---|--|
| Ptolemy I (Soter) 323–285 | Seleucus I (Nicator) 312–281 |
| Ptolemy II (Philadelphus) 285–247 | Antiochus I (Soter) 281–261 |
| Ptolemy III (Euregetus) 247–221 | Antiochus Theos 261–246 |
| Ptolemy IV (Philopater) 221–220 | Seleucus Callinicus 246–226 |
| Ptolemy V (Epiphanes) 203–182 | Seleucus III 226–223 |
| | Antiochus III (Great) 223–187 |
| | Seleucus IV (Philopater) 186–175 |
| | Antiochus IV (Epiphanes) 175–164 |
| Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel's Prophecy of Things to Come (CI | Daniel: The Coming Judgment of the Nations; ifton, TX: Scofield Ministries, 2007), 233. |

| lid | 34 |
|-----|----|
| | |
| | |

Daniel 11:22

- Initial military activities of Antiochus IV with his forces "overflowing" his opponents
- 2. Syrians already enjoyed control of the land of
- 3. High Priest Onanias III ("Prince of the Covenant") disliked by Antiochus IV
- 4. Antiochus IV favored Jason (Onanias III's brother)
- 5. Antiochus IV pressures Israel to replace ("shatter") Jason with Onanias III

raul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel: The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Prophecy

Slide 35

Daniel 11:23

- 1. "Alliance" between Antiochus IV & the new puppet High Priest Jason
- 2. Antiochus IV "practiced deception"
- 3. Antiochus IV gained power with a "small" group "of people"

Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel The Coming Judgment of the Nations, Daniel's Prophecy of Theses to Come (Cliden TV: Scripted Ministries, 2007), 235-26.

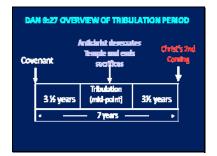
Slide 36

Daniel 11:24

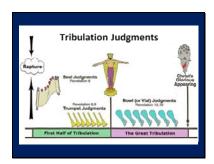
- Antiochus IV achieved power by any means possible including attacking others "in a time of tranquility"
- Antiochus IV implemented a wealth redistribution strategy in order to win the favor of the under classes
- 3. His evil would be limited "only for a time"

Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniet The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Prophecy of Things to Come (Cirifon, TX: Scofield Winistries, 2007), 236-46.

| | |
|------|------|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |



Slide 38



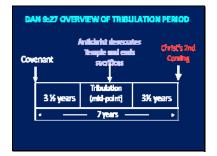
Slide 39

Daniel 11:24

- Antiochus IV achieved power by any means possible including attacking others "in a time of tranquility"
- Antiochus IV implemented a wealth redistribution strategy in order to win the favor of the under classes
- 3. His evil would be limited "only for a time"

Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel: The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Propi of Things to Come (Clifton, TX: Scofield Ministries, 2007), 216-46.

| | |
|------|--|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |



Slide 41

The Career of Antiochus IV Epiphanes
Daniel 11:21-35

I. His rise to power (21)

II. His initial and general military successes (22-24)

III. His 1st military activities concerning Egypt & Israel (25-28)

IV. His desecration of the Jewish Temple (29-31)

V. The reaction of Israel to the Temple's desecration (32-25)

Slide 42

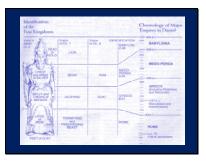
Daniel 11:25-30 Overview

- A. Military activities of Antiochus IV vs. Ptolemies (Egypt) & Israel
- B. Fading third empire (Greece)
- C. Rising fourth empire (Rome)
- D. Leading to Abomination of Desolation (Dan. 11:31)

| | | |
|------|------|------|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |



Slide 44



Slide 45

Daniel 11:25-26

- Ptolemy VI Philometer (son of Cleopatra of Egypt) readies for an attack against the Syrians & Antiochus IV
- 2. Antiochus' IV preemptive attack against Egypt
- 3. Egyptian disunity & conspiracy at the highest levels
- 4. Antiochus' IV victory over Egypt
- 5. Ongoing confusion and disunity in Egypt
- Rival throne in Egypt between Ptolemy VI and his younger brother Ptolemy VII Physkon
- Antiochus IV departs thinking the Egyptians will destroy themselves

Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel: The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Prophecy of Things to Come (Cirlor, TX: Scofield Ministries, 2007), 236-46.

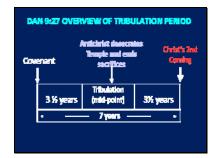
| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

Daniel 11:27

- 1. Warfare between Syria and Egypt indecisive
- 2. Treaties and agreements put on the table
- 3. Not done for desire for peace but rather out of kings' "intent on evil" to get advantage over the other side
- 4. Sitting down at the "same table" is indicative of Middle Eastern agreements
- Characterized by spoken "lies," deception, and ineffectiveness since "the end is still to come" "at the appointed time"

Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Prophec

Slide 47



Slide 48

Daniel 11:28

- Although Antiochus IV did not conquer Egypt, he left with "much plunder" or the spoils of war
- As Antiochus IV returned to Syria he revealed his hatred for Israel ("the people of the covenant")
- 3. Antiochus IV paused long enough in Israel to plunder the Temple and murder many Hebrew people

Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniet The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Prophecy of Things to Come (Cliffon, TX: Scofield Winstries, 2007), 236-46.

| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

Apocrypha of the Old Testament
(1 Maccabees 1:20–25). Charles, R. H. (Ed.) (1913). Oxford: Clarendon Press.

"20 And Antiochus, after he had smitten Egypt, returned in The one hundred and fifty-third year, and went up against Israel and Jerusalem with a great army. ²² And in (his) arrogance he entered into the sanctuary, and took the golden altar, and the candlestick for the light, and all its accessories, ²² and the table of the shewbread, and the accessories, ²² and the table of the shewbread, and the cups, and the bowls, and the golden censers, and the veil, and the crowns, and the golden adornment on the façade of the Temple, and he scaled it all off. ²³ Moreover, he took the silver, and the gold, and the choice vessels; he also took the hidden treasures which he found. ²⁴ And having taken everything, he returned to his own land. ²⁵ 'And there was great mourning in Israel in every place."

Slide 50

The Career of Antiochus IV Epiphanes

- I. His rise to power (21)
- II. His initial and general military successes (22-24)
- III. His 1st military activities concerning Egypt & Israel (25-28)

IV. His desecration of the Jewish Temple (29-31)

V. The reaction of Israel to the Temple's desecration (32-25)

DANIEL

Slide 51

Daniel 11:29

- 1. Several years later "at the appointed time"
- 2. Antiochus IV "will return and come into the south" by launching yet another attack on the Ptolemies of Egypt
- 3. "But...it will not turn out like it did before" since the Ptolemy brothers (Ptolemy VI & VII) now ruling a united Egypt & the rise of Rome ended Antiochus IV Egyptian conquest

| | | | |
|------|------|------|--|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

- 1. "Ships of Kittim" = Rome
 2. Rome stopped Antiochus IV from conquering Greece
 3. Rome sent Caius Popilius Lenas with soldiers to Egypt
 4. Antiochus IV appreciated Rome's power
 5. Embittered Antiochus IV never gave up his dreams of

- Conjugest
 An Angry Antiochus IV left Egypt and entered Israel to quell a minor uprising
 Antiochus IV killed and enslaved tens of thousands of Jews in order to tighten his grip against the Ptolemies
 Antiochus IV aligned with those in Israel who had no loyalty to the Lord

 Conjugest

 Co

Slide 53



| Identification of the Four Kingdoms | | | | Chronology of Major Empires in Daniel |
|---|----------------------------------|------------------------|-------------------------|--|
| ST. PERO | Vision in Ch. 7 | Vision shi in Ch. 6 | BABYLON 2-48 | BABYLONIA |
| مقطر | LION | 1 | / | MEDO-PERSIA |
| STELL VER | BEAR | RAM | MEDO- PERSIA 8-20 | 10014 |
| (ES) | | GOST | GAEECE | GREECE (Including Protemies and Seleucids) |
| 1 | LLUVAD | GUAT | 6.21 | Maccabees and resononeans) |
| uros de | TERRIFYING and FRIGHTENING | | ROME | - nome |
| PEET HICLAY | BEAST | | | A.O. 70 Fall of Jerusalem |

| | | |
|------|------|------|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

- "Ships of Kittim" = Rome
 Rome stopped Antiochus IV from conquering Greece
- 3. Rome sent Caius Popilius Lenas with soldiers to Egypt
- 4. Antiochus IV appreciated Rome's power
- 5. Embittered Antiochus IV never gave up his dreams of
- 6. An Angry Antiochus IV left Egypt and entered Israel to quell a minor uprising
- Antiochus IV killed and enslaved tens of thousands of Jews in order to tighten his grip against the Ptolemies Antiochus IV aligned with those in Israel who had no loyalty to the Lord

Slide 56

Daniel 11:31

- 1. Antiochus IV promoted Hellenism
- 2. Antiochus IV outlawed Judaism
- 3. Antiochus IV desecrated the Temple
- 4. Antiochus IV terminated Israel's animal sacrifices
- 5. This period represented some of the darkest eras for Judaism
- 6. It is also predicted in Daniel 8:9-14



| | | |
|------|------|------|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

| Slide 58 | The Career of Antiochus IV Epiphanes Daniel 11:21-35 I. His rise to power (21) II. His initial and general military successes (22-24) III. His 1st military activities concerning Egypt & Israel (25-28) IV. His desecration of the Jewish Temple (29-31) V. The reaction of Israel to the Temple's desecration (32-25) | - - - | |
|----------|--|------------------|--|
| Slide 59 | Daniel 11:32-35 Overview A. Israeli response to Antiochus IV B. Two groups within Israel 1. Hellenism's resisters 2. Hellenism's embracers | - - - - | |
| Slide 60 | Daniel 11:32-34 1. Antiochus IV operates by "smooth words" & flattery 2. The Maccabean revolt 3. Those with "insight" will help others 4. Rebels will bring down the wrath of Antiochus IV 5. The righteous ones were few in number ("little help") at first but grew in number as they faithfully encouraged others 6. Some Israelis will defect to Antiochus IV **Total & Branch Company on the Base of Shareh Belleman (and the Shareh Company) of Base of Shareh Company of Base of Shareh Shareh, 2007, 220 M. | - - - - | |

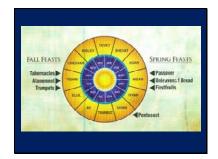
ΤΔΝΙΙΚΚΔΗ

- The Maccabean revolt
- December 25th 164 BC, the temple is liberated and rededicated
- 1 & 2 Maccabees
- The miracle of the lamp oil
- Hanukkah "Feast of Dedication" (festival of lights).
- Christmas / Jewish Holiday
- John 10:22-24

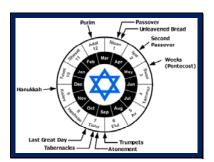


Slide 62

| Levitical Feasts (Lev. 23) | | | | |
|----------------------------|--------|-------------------------|----------------|--|
| Feast | Season | Purpose | Туре | |
| Passover | Spring | Redemption | 1 Cor. 5:7 | |
| Unleavened Bread | Spring | Separation | John 6:35 | |
| 1st fruits | Spring | Praise | 1 Cor. 15:20 | |
| Pentecost | Spring | Praise | Acts 2:1-4 | |
| Trumpets | Fall | New Year | Matt. 24:31 | |
| Atonement | Fall | Lev 16 | Zech. 12:10 | |
| Booths | Fall | Wilderness provision | Zech. 14:16-18 | |



| | |
|------|--|
| | |
| | |
| | |



Slide 65

John 10.22-24 "At that time the Feast of the Dedication took place at Jerusalem; ²³ it was winter, and Jesus was walking in the temple in the portico of Solomon. ²⁴ The Jews then gathered around Him, and were saying to Him, "How long will You keep us in suspense? If You are the Christ, tell us plainly."

Slide 66

Daniel 11:32-34

- 1. Antiochus IV operates by "smooth words" & flattery
- 2. The Maccabean revolt
- 3. Those with "insight" will help others
- 4. Rebels will bring down the wrath of Antiochus IV
- 5. The righteous ones were few in number ("little help") at first but grew in number as they faithfully encouraged others
- 6. Some Israelis will defect to Antiochus IV

Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniet The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Prophecy of Things to Come (Cliffon, TX: Scofield Winistries, 2007), 232-36.

| | |
|------|--|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

Daniel 11:35

- 1. Defectors vs. loyalists created a purifying process
- 2. Process to continue "until the end time" and "the appointed time"
- 3. Foretaste of Zechariah 13:8-9

Paul N. Benware, Commentary on the Book of Daniel: The Coming Judgment of the Nations; Daniel's Prophe

Slide 68

Zechanali 13:8-9

S"It will come about in all the land," Declares the LORD, "That two parts in it will be cut off and perish; But the third will be left in it." And I will bring the third part through the fire, Refine them as silver is refined, And test them as gold is tested. They will call on My name, And I will answer them; I will say, 'They are My people,' And they will say, 'The LORD is my God.'"

| Discontinuity Between Israel & the Church | | | | |
|---|----------------------------------|--|--|--|
| | ISRAEL | CHURCH | | |
| Governing principle | Law | NT | | |
| Relation to HS | Selective, temporary, subsequent | Universal, permanent, at moment of salvation | | |
| Farewell address | Olivet Discourse | Upper Room Discourse | | |
| Designation | First Born Son | Bride of Christ | | |
| Revealed in OT | Yes | No | | |
| Evangelism | Come & See | Go & Proclaim | | |
| Blessings | Earthly | Heavenly | | |
| Composition | Believers & Unbelievers | Believers Only | | |

| | |
|------|--|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

Matthew 3:9 "and do not suppose that you can say to yourselves, 'We have Abraham for our father'; for I say to you that from these stones God is able to raise up children to Abraham."

Slide 71





| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

Revelation 2:9 "I know your tribulation and your poverty (but you are rich), and the blasphemy by those who say they are Jews and are not synagogue of Satan." CHBIST

Slide 74

Zecharian 13:8-9 8"It will come about in all the land," Declares the LORD, "That two parts in it will be cut off and perish; But the third will be left in it. "And I will bring the third part through the fire, Refine them as silver is refined, And test them as gold is tested. They will call on My name, And I will answer them; I will say, 'They are My people,' And they will say, 'The LORD is my God.'"



| | | |
|------|------|--|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

1 Corinthians 3:1-3 (NKJV) ¹ And I, brethren, could not speak to you as to spiritual people but as to carnal, as to babes in Christ. ² I fed you with milk and not with solid food; for until now you were not able to receive it, and even now you are still not able; ³ for you are still carnal. For where there are envy, strife, and divisions among you, are you not carnal and behaving like mere men?

Slide 77

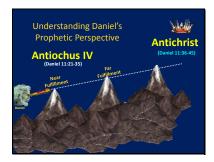


Slide 78

Conclusion

| | _ |
|------|---|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | _ |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | _ |
| | |
| | |
| | |
| | _ |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | _ |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | _ |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | _ |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | _ |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | _ |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | _ |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| Slide 79 | The Career of Antiochus IV Epiphanes Daniel 11:21-35 I. His rise to power (21) II. His initial and general military successes (22-24) III. His 1st military activities concerning Egypt & Israel (25-28) IV. His desecration of the Jewish Temple (29-31) V. The reaction of Israel to the Temple's desecration (32-25) DANIEL | - - - - | |
|----------|--|------------------|--|
| Slide 80 | IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13) A. Persia (11:2) B. Greece (11:3-4) C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20) D. Antiochus IV (11:21-35) E. Antichrist (11:36-45) F. Tribulation & Millennium (12:1-13) | - | |
| Slide 81 | IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13) A. Persia (11:2) B. Greece (11:3-4) C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20) D. Antiochus IV (11:21-35) E. Antichrist (11:36-45) F. Tribulation & Millennium (12:1-13) | - - - - | |



Slide 83

Why is Daniel 11:36-45 About Antichrist and not Antichus IV

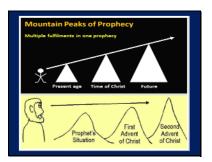
- 1. It does not fit the known facts of history
- 2. The king is not from the North only but is in conflict with both the North and the South
- 3. It is consistent with the prophecies about the future Antichrist (Dan. 7; 2 Thess. 2; Rev. 13; 17)
- 4. The Antichrist is prominent in Daniel's earlier prophecies ("little horn" of Dan. 7)
- 5. Prophetic gaps are common in Scripture

Slide 84

6 Reasons for Gap in the 70 Weeks Prophecy (Dan. 9:24-27)

- 1. Events prophesied v.26
 - Messiah crucified v.26a
 - 70 AD holocaust v.26b
- 2. Prophecies in Dan. 9:24 would have been fulfilled 7 years after Palm Sunday
- 3. Jesus indicated a gap (Matt. 24:15, 21-22, 29-30)
- 4. Daniel 9:27 was never fulfilled historically
- 5. <u>Gap occurs elsewhere (ls. 61:1-2; Luke 4:16-21; Isaiah 9:6)</u>
- 6. Early church fathers indicated a gap

| | | | |
|------|------|------|------|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |



Slide 86

Zecharlal 9:9-10 ⁹Rejoice greatly, O daughter of Zion! Shout in triumph, O daughter of Jerusalem! Behold, your king is coming to you; He is just and endowed with salvation, Humble, and mounted on a donkey. Even on a colt, the foal of a donkey. ¹⁰I will cut off the charlot from Ephraim And the horse from Jerusalem; And the bow of war will be cut off. And He will speak peace to the nations; And His dominion will be from sea to sea, And from the River to the ends of the earth.

Slide 87

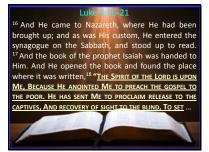
Isaia 10.6-7

For a child will be born to us, a son will be given to us;
And the government will rest on His shoulders; And His
name will be called Wonderful Counselor, Mighty God,
Eternal Father, Prince of Peace. There will be no end to
the increase of His government or of peace, On the
throne of David and over his kingdom, To establish it
and to uphold it with justice and righteousness From
then on and forevermore. The zeal of the Lord of hosts
will accomplish this.

| | | |
|------|------|------|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

Isaian b1:1-2 ¹ The Spirit of the Lord Gop is upon me, Because the Lord has anointed me To bring good news to the afflicted; He has sent me to bind up the brokenhearted, To proclaim liberty to captives And freedom to prisoners;² To proclaim the favorable year of the Lord And the day of vengeance of our God; To comfort all who mourn.

Slide 89





| | | | |
|------|------|------|--|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

Isaian 61.11-2

¹The Spirit of the Lord God is upon me, Because the LORD has anointed me To bring good news to the afflicted; He has sent me to bind up the brokenhearted, To proclaim liberty to captives And freedom to prisoners;²To proclaim the favorable year of the LORD And the day of vengeance of our God; To comfort all who mourn.

Slide 92



Slide 93

1 Peter 1:10-11

10 As to this salvation, the prophets who prophesied of the grace that would come to you made careful searches and inquiries, 11 seeking to know what person or time the Spirit of Christ within them was indicating as He predicted the sufferings of Christ and the glories to follow.

| | | | |
|------|------|------|------|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

| Slide | 94 |
|-------|----|
|-------|----|

Why is Daniel 11:36-45 about Antichrist

- Many reputable commentators have interpreted these verses as referring to the future Antichrist (Jerome; Luther)
- 7. Contextual indicators
 - a) "At that time" (12:1)
- b) "Latter days" (10:14)
- c) "At the time of the end" (11:40)
- d) "The indignation" (11:36)

Slide 95

Chapter 10–12 Outline

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)



Slide 96

Purpose

To encourage Judah by emphasizing the sovereignty of God during the Babylonian captivity and to teach Judah how to live while outside the land



| | | | |
|------|------|------|------|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

| "The Lord bless you and keep you; the Lord make his face shine on you and be gracious to you; the Lord turn his face toward you and give you peace." | | | The ILONG DO THE TANK | |
|--|----------------|-----------|--|-------------|
| (INIV) | his face shine | on you an | d be gracious | to you; the |

| | | | | | |
|------|------|------|------|------|------|
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |

<u>22</u>

Rev. 6:1-2-Then I saw when the Lamb broke one of the seven seals, and I heard one of the four living creatures saying as with a voice of thunder, "Come." ² I looked, and behold, a white horse, and he who sat on it had a bow; and a crown was given to him, and he went out conquering and to conquer.

1 Thess. 5:3-While they are saying, "Peace and safety!" then destruction will come upon them suddenly like labor pains upon a woman with child, and they will not escape.

Dan. 9:27-And he will make a firm covenant with the many for one week, but in the middle of the week he will put a stop to sacrifice and grain offering; and on the wing of abominations *will come* one who makes desolate, even until a complete destruction, one that is decreed, is poured out on the one who makes desolate.

23

John 8:44- You are of *your* father the devil, and you want to do the desires of your father. He was a murderer from the

beginning, and does not stand in the truth because there is no truth in him. Whenever he speaks a lie, he speaks from his own *nature*, for he is a liar and the father of lies.

Rev. 12:9- And the great dragon was thrown down, the serpent of old who is called the devil and Satan, who deceives the whole world; he was thrown down to the earth, and his angels were thrown down with him.

<u>24</u>

Rev. 6:1-2-Then I saw when the Lamb broke one of the seven seals, and I heard one of the four living creatures saying as with a voice of thunder, "Come." ² I looked, and behold, a white horse, and he who sat on it had a bow; and a crown was given to him, and he went out conquering and to conquer.

1 Thess. 5:3-While they are saying, "Peace and safety!" then destruction will come upon them suddenly like labor pains upon a woman with child, and they will not escape.

Dan. 9:27-And he will make a firm covenant with the many for one week, but in the middle of the week he will put a stop to sacrifice and grain offering; and on the wing of abominations *will come* one who makes desolate, even until a complete destruction, one that is decreed, is poured out on the one who makes desolate.

John 12:3-6- Mary then took a pound of very costly perfume of pure nard, and anointed the feet of Jesus and wiped His feet with her hair; and the house was filled with the fragrance of the perfume. ⁴ But Judas Iscariot, one of His disciples, who was

intending to betray Him, *said, ⁵ "Why was this perfume not sold for three hundred denarii and given to poor *people*?" ⁶ Now he said this, not because he was concerned about the poor, but because he was a thief, and as he had the money box, he used to pilfer what was put into it.

Rev. 13:16-18-¹⁶ And he causes all, the small and the great, and the rich and the poor, and the free men and the slaves, to be given a mark on their right hand or on their forehead, ¹⁷ and *he provides* that no one will be able to buy or to sell, except the one who has the mark, *either* the name of the beast or the number of his name. ¹⁸ Here is wisdom. Let him who has understanding calculate the number of the beast, for the number is that of a man; and his number is six hundred and sixty-six.

Rev. 12:6- ⁶ Then the woman fled into the wilderness where she *had a place prepared by God, so that there she would be nourished for one thousand two hundred and sixty days.

Rev. 12:14-14 But the two wings of the great eagle were given to the woman, so that she could fly into the wilderness to her place, where she *was nourished for a time and times and half a time, from the presence of the serpent.

Dan. 7:25- He will speak out against the Most High and wear down the saints of the Highest One, and he will intend to make alterations in times and in law; and they will be given into his hand for **a time**, **times**, **and half a time**.

Matt. 26:34-³⁴ Jesus said to him, "Truly I say to you that this *very* night, before a rooster crows, you will deny Me three times."

<u>30</u>

Gen. 10:4- The sons of Javan were Elishah and Tarshish, Kittim and Dodanim.

<u>31</u>

Dan. 9:27-And he will make a firm covenant with the many for one week, but in the middle of the week he will put a stop to sacrifice and grain offering; and on the wing of abominations *will come* one who makes desolate, even until a complete destruction, one that is decreed, is poured out on the one who makes desolate.

Rev. 13:15-15 And it was given to him to give breath to the image of the beast, so that the image of the beast would even speak and cause as many as do not worship the image of the beast to be killed.

1 Cor. 10:19-21- ¹⁹ What do I mean then? That a thing sacrificed to idols is anything, or that an idol is anything? ²⁰ *No*, but *I say* that the things which the Gentiles sacrifice, they sacrifice to demons and not to God; and I do not want you to become sharers in demons. ²¹ You cannot drink the cup of the Lord and the cup of demons; you cannot partake of the table of the Lord and the table of demons.

Rom. 12:2-2 And do not be conformed to this world, but be transformed by the renewing of your mind, so that you may prove what the will of God is, that which is good and acceptable and perfect.

Dan. 7:8- While I was contemplating the horns, behold, another horn, a little one, came up among them, and three of the first horns were pulled out by the roots before it; and behold, this horn possessed eyes like the eyes of a man and <u>a mouth</u> uttering great *boasts*.

Dan. 7:25- <u>He will speak out against the Most High</u> and wear down the saints of the Highest One, and he will intend to make alterations in times and in law; and they will be given into his hand for a time, times, and half a time.

John 13:17- If you know these things, you are blessed if you do them.

<u>33</u>

Dan. 9:27-And he will make a firm covenant with the many for one week, but in the middle of the week he will put a stop to sacrifice and grain offering; and on the wing of abominations *will come* one who makes desolate, even until a complete destruction, one that is decreed, is poured out on the one who makes desolate.

Conclusion

Num. 6:24-26-²⁴ The LORD bless you, and keep you; ²⁵ The LORD make His face shine on you, And be gracious to you;

²⁶ The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.